चाहत | By Rahul Sanwara

टूटे ना टूटे ना प्यार की ये डोरियां
छूटे ना छूटे ना तेरी मेरी ये यारियां
ना रहे ना रहे ना रहे अब कोई दूरियां
चाहे हो चाहे हो चाहे हो जितनी मजबूरियां
चाहत है यही तुझसे मेरे सांवरिया
यूँ ही बनी रहे हम दोनों की नज़दीकियां
टूटे ना .....

मिलती रहे मुझे तेरी कृपा ये जब तक है साँसों में सांस
ये प्यार दिल में धड़कता रहे तेरा हर पल हो ये एहसास
जो आये कभी कोई दुश्वारी मुझपे तो देना दिलासा मुझे
यकी है तेरे होते होगी कभी ना कोई निराशा मुझे
आये ना होंठों पे कभी मेरे ही ये सिसकियाँ
टूटे ना .....

ये दिल तलबगार तेरा हमेशा तुझसे ही मेरा जहां
तेरे ही दम से मेरे श्याम प्यारे हर पल मेरा खुशनुमा
अगर तू ना होता तो होता कहाँ फिर मेरा वजूद यहाँ
तुम्ही से है आबाद जीवन ये मेरा तुम्ही से है मस्त समां
आती है कुंदन को नाम की तेरे ही हिचकियाँ
टूटे ना .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a4%a4-by-rahul-sanwara/